



हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार

21 मई 2025, ज्योष्ठ कृष्ण पक्ष, नवमी, विक्रम सम्वत् 2082, वाराणसी

जानकारी प्राथमिक शिक्षा में नवाचार के लिए तीन दिवसीय शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन, बच्चों को दिए गए टिप्स

पाणिनी व्याकरण को सरल तरीके से किया प्रस्तुत

सोनभद्र, संवाददाता। अवादा फाउंडेशन की तरफ से प्राथमिक शिक्षा में नवाचार के लिए पाणिनी पद्धति आधारित प्रशिक्षण में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन दिवसीय शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को नगर के एक होटल परिसर में किया गया।

प्रशिक्षण का शुभारंभ अवादा फाउंडेशन के सोनियर वाइस प्रेसीडेंट अजय शुक्ला ने किया। पाणिनी व्याकरण के सिद्धांतों को खेल, गीत, चित्र व बाल-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से सरल व रोचक तरीके से



तीन दिवसीय शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी।

प्रस्तुत किया गया। अष्टाध्यायी की संरचना, स्वर-वर्णों की वैज्ञानिकता, उच्चारण सुधार, संधि व प्रत्यय की

अवधारणाओं को बच्चों की समझ के अनुरूप सिखाया गया। आइसक्रीम स्टिक, फ्लैशकार्ड, रंगीन बीज, शर्ट

बटन आदि की सहायता से गणित और भाषा विषयक गतिविधियां कराई गईं।

शिक्षकों ने समूहों में पाठ योजनाएं तैयार की और बाल-अनुकूल शिक्षण माडलों का प्रदर्शन किया। फाउंडेशन की निदेशक ऋतु पटवारी ने कहा पाणिनी पद्धति भारत की समृद्ध भाषिक विरासत है। हमारा प्रयास है कि इसे आज के बच्चों की जरूरतों के अनुरूप रोचक और प्रयोगधर्मी ढंग से प्रस्तुत किया जाए। जब शिक्षक स्वयं आनंद से पढ़ाते हैं तो बच्चे भी स्वाभाविक रूप से सीखने में रुचि

लेते हैं। सभी प्रतिभागियों को राकेश दुबे की तरफ से प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण सत्रों का संचालन शिक्षण विशेषज्ञ रमा पोपली एवं चंद्रदीप पांडेय ने किया। प्रशिक्षण में बासुहारी एवं चिचलिक विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षाकर्मी, प्रशिक्षु शिक्षक, शिक्षा सहायक एवं अवादा टीम के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन अवादा के उपप्रबंधक महेश कुमार माथुर ने किया।